CHAPTER 13

काव्य-सब आँखों के आँसू उजले,जाग तुझको दूर जाना[महादेवी वर्मा]

PAGE 155, अभ्यास

11:15:1: प्रश्न-अभ्यास:1

1. 'जाग तुझको दूर जाना' कविता में कवियत्री मानव को किन विपरीत स्थितियों में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित कर रही है?

उत्तर- 'जाग तुझको दूर जाना' कविता में कवयित्री का मानव को उत्साहित करने का तात्पर्य ये है की वह विपरीत स्थितियों में भी आगे बढ़े और उन्होंने इसे निम्नलिखित तरीके से प्रस्तुत किया है -

(क) कवयित्री कह रही हैं कि हिमालय के हृदय में कंपन है। यह भूकंप पैदा कर सकता है लेकिन

आपको आगे बढते रहना है इस कंपन से डरना नहीं है ।

(ख) जब प्रलय की स्थिति आती है। तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति घबड़ा जाता है, आप को घबड़ाना नहीं आप को आगे बढते रहना है ।

(ग) अगर चारों तरफ घना अंधेरा छाया है। कुछ दिख नहीं रहा है तब भी आप को आगे बढते रहना है ।

11:15:1: प्रश्न-अभ्यास:2

2. कवयित्री किस मोहपूर्ण बंधन से मुक्त होकर मानव को जागृति का संदेश दे रही है?

उत्तर

कवयित्री व्यक्ति को अपने परिजनों के मोहपूर्ण बंधन से मुक्त होने का संदेश देती है। उनके अनुसार मनुष्य के मार्ग में ये बंधन सबसे बड़ी बाधा होते हैं। ये बंधन मनुष्य को आगे नहीं बढ़ने देते हैं। इसमें उसकी प्रेमिका के बाँहों का बंधन भी है, जो उसे रोके रखता है। कवयित्री इन बंधन को तोड़कर मानव को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

11:15:1: प्रश्न-अभ्यास:3

3. 'जाग तुझको दूर जाना' स्वाधीनता आंदोतलन की प्रेरणा से रचित एक जागरण गीत है। इस कथन के आधार पर कविता की मूल संवेदना को लिखिए।

उत्तर- महादेवी वर्मा ने एक ऐसी कविता की रचना की जिसका तात्पर्य देश के लोगों को स्वतंत्रता के प्रति जगाना था।देश गुलामी के जंजीरों में जकड़ा था । लोग स्वतंत्रता चाहते थे लेकिन उस लड़ाई में सीधे तौर पे लड़ने से डरते थे ।वे इसमे भाग लेने से डरते थे। इसके पीछे का एक मुख्य कारण ये था कि वे स्वार्थी और आलसी थे। उनके अंदर देशभक्ति की भावना जगाने के लिए जागरण गीतों की रचना की गई। महादेवी ने एक ऐसे ही गीत की रचना की जो गीत सोए हुए भारतीयों को

जगाता है। महादेव ने भारतीयों को जागृत करने के लिए प्रेरित किया। वह यह भी बताती है कि इस पर चलते समय उन्हें बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन उन्हें उनसे डरने की जरूरत नहीं है। उन्हें हर तरह के बंधन से मुक्त होना है और बस बढ़ते रहना है। तभी उन्हें स्वतंत्रता प्राप्त होगी ।

4. निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-
(क) विश्व का क्रंदन ..... अपने लिए कारा बनाना!
(ख) कह न ठंडी साँस ..... सजेगा आज पानी।
(ग) है तुझे अंगार-शय्या ..... कलियाँ बिछाना!

उत्तर
(क) कवयित्री कहती है कि भंवरें की मधुर गुनगुन क्या उसे विश्व का क्रंदन भुलाने देगी। फूल में विद्यमान ओस की बूँदे किसी व्यक्ति को डूबा सकते हैं। तुझे अपनी छाँव रूपी कैद से बाहर निकलना है। इसका काव्य सौंदर्य बहुत अद्भुत है। प्रेमिका के मधुर वचनों को भंवरें की गुनगुन के समान बताया गया है। मनुष्य को दृढ़ता से चलने के लिए कहा गया है। 'मधुप की मधुर' में अनुप्रास अलंकार का प्रयोग है। ओज गुण का समावेश है तथा 'कारा' शब्द लाक्षणिकता को दर्शाता है।

(ख) जो जीवन में पीड़ा, वेदना व करुणा को ही सबकुछ मानते हैं कवयित्री ऐसे लोगों को झकझोरते हुए कहती है कि अब इन बातों को जलती हुई कहानी के समान छोड़ दे। इसमें कवयित्री लोगों को अपनी असफलताओं को भूल जाने के लिए कहती है। वे मनुष्य को अपने हृदय में आग भरने के लिए प्रेरित करती है। उस में आग लक्षणा शक्ति का द्योतक है। श्लेष अलंकार 'पानी' शब्द में दिखाई देता है।

(ग) कवयित्री क्रांतिकारी को अपनी कोमल भावनाओं का बलिदान देने के लिए कहती है। 'अंगार शय्या' में रूपक अलंकार का प्रयोग है। 'अंगार शय्या पर मधुर कलियाँ बिछाना' में विरोध का आभास होता है। अतः यहाँ विरोधाभास अलंकार है।

11:15:1: प्रश्न-अभ्यास:5

कवयित्री ने स्वाधीनता के मार्ग में आनेवाली कठिनाइयों को इंगित कर मनुष्य के भीतर किन गुणों का विस्तार करना चाहा है? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- महादेवी वर्मा ने इस कविता में स्वतंत्रता के रास्ते में आने वाली कठिनाइयों का वर्णन किया है।और भारतियों के भीतर इन कठिनाइयों से

निपटने के लिए गुणों का विस्तार करने की मांग की है।

वह मनुष्य को दृढ़ इच्छा से चलने के लिए प्रेरित करती है। इस तरह मनुष्य दृढ़ संकल्पित हो जाता है।,वह इसमें आलस्य को दूर करने के लिए प्रेरित करती है, इसलिए वह इसमें कड़ी मेहनत की गुणवत्ता विकसित करती है।,वह उसे विषम परिस्थितियों में निडर होकर बढ़ने के लिए कहती है। इस तरह वह उसमें निडरता का गुण समाहित करती है।, वह उसे अपने लगाव को छोड़ने के लिए कहती है। इस तरह वह भावुकता के स्थान पर देशभक्ति का बीज बोती है।,वह उसकी जागरूकता की गुणवत्ता को शामिल करती है। उसके अनुसार, उसे इस लड़ाई में सतर्क रहना होगा।, वह दिल से मौत के डर को दूर करना चाहती है और जीवन के सही उद्देश्य को प्रकट करती है। इस तरह, वह अपने लक्ष्य को पहचानती है और उसे पूरा करने की गुणवत्ता का विस्तार करती है।